दैनिक भास्कर

कोरोना / राजस्थान में रोज 6 लाख ली. नकली दूध बिक रहा था...सप्लाई लॉक, धंधा डाउन

Took 6 lakhs daily in Rajasthan. Fake milk was being sold ... supply lock, business down

- **लॉकडाउन में असली दूध की आपूर्ति बढ़ने का पॉजिटिव असर**
- **होटल, रेस्टोरेंट और चाय की दुकानें बंद होने से दूध की खपत कम हो गई, पनीर और मावे का काम भी बंद है**

दैनिक भास्कर

Apr 30, 2020, 05:00 AM IST

जयपुर. लॉकडाउन कोरोना का तोड़ तो है ही...साथ ही इसने नकली दूध, नकली पनीर और नकली मावे के कारोबार पर भी ताला जड़ दिया है। भास्कर ने जब आंकड़ों के आधार पर विश्लेषण किया तो चौंकाने वाला तथ्य सामने आया। दरअसल, राजस्थान में हर रोज करीब 6 लाख लीटर नकली दूध की सप्लाई की जा रही थी। इसे ऐसे समझिए... लॉकडाउन से पहले तक, सरकारी एवं प्राइवेट डेयरियों को मिलाकर प्रदेश में रोजाना 55 लाख लीटर दूध इकठ्ठा हो रहा था। मगर लॉकडाउन के बाद यह घटकर 35 लाख लीटर रह गया है। यानी सीधे-सीधे 20 लाख लीटर की कमी। इस 20 लाख लीटर का हिसाब लगाएं तो 10 लाख लीटर दूध तो हर साल गर्मी में आवक घटने से कम हो ही जाता है। इसके अलावा 4 लाख लीटर दूध की खपत गांवों में बढ़ गई है। मगर सवाल ये है कि बाकी का 6 लाख लीटर दूध कहां गया? जयपुर और भीलवाड़ा डेयरी के उच्चाधिकारियों का कहना है कि निश्चित तौर पर यह नकली दूध था। जिसका असली की आड़ में धड़ल्ले से कारोबार चल रहा था। मगर अब होटल, रेस्टोरेंट और चाय की दुकानें बंद हैं। शादी-समारोह पर भी विराम लगा है और मिठाई की दुकानों पर भी ताले लटके हैं। ऐसे में असली दूध ही इतना आ रहा है कि नकली दूध वालों का कारोबार ठप हो गया है। राजस्थान को-ऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन यानी आरसीडीएफ के 21 जिला दुग्ध संचालकों का दूध संकलन 41 लाख लीटर से गिरकर 27 लाख लीटर प्रतिदिन पर आ गया। उधर, सरस डेयरी के अधिकारियों कहना है कि सरस में नकली दूध आने की संभावना शून्य है, क्योंकि सरस दूध की पहले समितियों, फिर चिलिंग प्लांट और फिर सरस प्लांट पर जांच होती है। गर्मियों में आवक घट जाती है।

8 में से सिर्फ 3 डेयरी से ही मार्केट में सप्लाई किया जा रहा है दूध

प्रदेश में करीब 8 से अधिक प्राइवेट और सरकारी डेयरी दूध सप्लाई का काम कर रही हैं, लेकिन लॉकडाउन के बाद सरस, अमूल और लोटस डेयरी ही मार्केट में दूध सप्लाई करती नजर आ रही है।

शादी-समारोहों में खप रहा था ज्यादातर नकली दूध...

नकली दूध का कारोबार धड़ल्ले से चल रहा था। हमारे संसाधन सीमित हैं। इस वजह से पाबंदी नहीं लग पा रही। अधिकतर नकली दूध शादी-समारोह, रेस्टोरेंट, होटल व मिठाइयों की दुकानों पर खपत था। लॉकडाउन के कारण यहां आपूर्ति पूरी तरह ठप है, इसलिए कम दूध आ रहा है।

- ओम प्रकाश पूनिया, चेयरमैन

अलवर-भरतपुर से हो रहा था नकली दूध कारोबार...

लॉकडाउन से पहले नकली दूध के कारोबार से इनकार नहीं किया जा सकता। सबसे अधिक नकली दूध का कारोबार अलवर, भरतपुर में होता है। लेकिन अब तो असली दूध ही इतना आ रहा है कि डेयरी ने समितियों की लिमिट बांध दी। ऐसे में नकली दूध का आना लगभग बंद हो गया है।

- रामलाल जाट, चेयरमैन

जितना ज्यादा दूध जमा हो रहा था, वह नकली ही था

वर्तमान में आ रहा है दूध ही असली है। संकलन से अधिक दूध की खपत होती है तो वह नकली ही होता है। सरकार की तरफ से भी इस पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। सबसे अधिक नकली दूध मावा-पनीर में इस्तेमाल हो रहा है। लॉकडाउन के बाद इस पर सख्ती करने की जरूरत है।

- नरेंद्र पारीक, प्रदेशाध्यक्ष

Source: https://www.bhaskar.com/local/rajasthan/jaipur/news/took-6-lakhs-daily-in-rajasthan-fake-milk-was-being-sold-supply-lock-business-down-127258520.html